भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †85
सोमवार, 18 जुलाई, 2022/27 आषाढ़, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन योजना का संवर्धन

†85. श्रीमती मंजुलता मंडलः
श्री गजानन कीर्तिकरः
श्री सी.एन. अन्नादुरईः
डॉ. पोन गौतम सिगामणिः
श्री धनुष एम. कुमारः
श्री जी. सेल्वमः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) को लागू कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने एसडीएस को बढ़ावा देने के लिए कुछ गैर-सरकारी कंपनियों के साथ सहयोग किया है/सहयोग करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) देश में पर्यटन को बेहतर बनाने में इस तरह के सहयोग से किस प्रकार और किस हद तक मदद मिलेगी;

(घ) क्या सरकार ने एसडीएस के अंतर्गत जनजातीय और ग्रामीण सर्किट विकसित करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या केन्द्र सरकार को पर्यटन सर्किट विकसित करने के लिए ओडिशा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा केंद्र सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है; और

(च) क्या सभी चिह्नित पर्यटन सर्किट शुरू हो गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त योजना के अंतर्गत प्रत्येक सर्किट में भाग लेने वाले पर्यटकों की संख्या कितनी है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (च): जी, हाँ। पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक तथा गंतव्य आधारित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थाई एवं जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया है। एसडी 2.0 सम्बन्धी दिशा-निर्देशों में निजी क्षेत्र और सार्वजनिक-निजी साझेदारी के अवसरों हेतु राज्यों को प्रोत्साहित करने की परिकल्पना की गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी केन्द्रीय क्षेत्र योजना- स्वदेश दर्शन योजना 1.0 (एसडी 1.0) के अन्तर्गत विभिन्न थीमेटिक परिपथों के तहत ओडिशा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्यों सहित पूरे देश में 76 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। एसडी 1.0 में जनजातीय और ग्रामीण परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

जनजातीय परिपथ **(करोड़ रु. में)**

क्र. सं.	राज्य/संघ क्षेत्र	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम/स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि

1	नागालैंड	(2015-16)	पेरेन - कोहिमा- वोखा जनजातीय परिपथ का विकास	97.36
2	छत्तीसगढ़	(2015-16)	जशपुर – कुंकुरी- मैनपाट- अंबिकापुर- महेशपुर - रतनपुर-कुर्दार-सरोदादार-गंगरेल-कोंडागांव-नाथियानवगाँव-जगदलपुर- चित्रकूट-तीर्थगढ़ का विकास	96.10
3	तेलंगाना	(2016-17)	मुलुगु -लकनावरम- मेदावरम- तड़वई- दमारावी-मल्लूर- बोगाथा झरने का एकीकृत विकास	79.87
4	नागालैंड	(2016-17)	मोकोकचुंग - तुएनसांग-मोन का विकास	98.14

ग्रामीण परिपथ **(करोड़ रु. में)**

क्र. सं.	**राज्य/संघ क्षेत्र**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1	बिहार	(2017-18)	भितिहरवा- चंद्रहिया- तुरकौलिया का विकास	44.65
2	केरल	(2018-19)	मालानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	80.37

ओडिशा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्यों में एसडी 1.0 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य**	**परिपथ**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1	ओडिशा	तटीय परिपथ	2016-17	गोपालपुर, बरकुल, सतपादा और तंपारा का विकास।	70.82
2	महाराष्ट्र	तटीय परिपथ	2015-16	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ, सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (समुद्र तट और क्रीक) मितभाव का विकास।	19.06
3	महाराष्ट्र	आध्यात्मिक परिपथ	2018-19	वाकी- अदासा- धापेवाड़ा- परादसिंघा-तेलनखंडी- गिराड़ का विकास	47.53
4	तमिलनाडु	तटीय परिपथ	2016-17	चेन्नई - मामल्लापुरम - रामेश्वरम-मानपाडु- कन्याकुमारी का विकास	73.13

स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत सृजित परिसम्पत्तियों के प्रचालन और रखरखाव का कार्य सम्बन्धित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय इस योजना के तहत प्रत्येक परिपथ में भाग लेने वाले पर्यटकों की संख्या का डाटा तैयार नहीं करता है।

****